Syllabus and Course Scheme

Academic year 2015-16

BA – Sanskrit
Exam.-2016

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

प्रथम वर्ष संस्कृत – 2016

प्रथम प्रश्न पत्र–पद्य साहित्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व,व्याकरण एवं अलंकार

समय 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांक: 36 पूर्णांक–100

नोट:– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है।जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा –

पाठ्यक्रम–

इकाई 1. रघुवंशम् 'द्वितीय सर्ग'

इकाई 2. कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग'

इकाई 3. भारतीय–संस्कृति के तत्त्व–पृष्ठ भूमि, विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।

इकाई 4. व्याकरण – शब्दरूप, धातुरूप

इकाई 5. अलंकार

<u>विस्तृत पाठ्यक्रम्</u>

इकाई 4

शब्दरूप – राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्, इदम्, अस्मद् तथा युष्मद्।धातुरूप–(लट्, लोट्, लड्., विधिलिड्. तथा लृट्लकार में) पठ् ,पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, चुर्, लभ् तथा सेव् धातु

इकाई 5

अलंकार – काव्य–दीपिका (अष्टम शिखा)

(भेदोपभेद–रहित निम्नांकित अलंकार)

अनुप्रास,यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, मालोपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, प्रतिवस्तूपमा, दीपक, अपह्नुति एवं समासोक्ति।

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

प्रथम इकाई रघुवंशम् से दो श्लोकों में से एक की सप्रसंङ्ग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। चतुर्थ इकाई से पांच शब्द रूप एवं धातु रूप, विशेष विभक्ति एवं पुरूष में पूछे जावेगें। पंचम् इकाई से चार में से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। शेष इकाइयों से संबंधित सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड 'स'

प्र. सं. 12 का अंक-विभाजन निम्न प्रकार होगा -

1. प्रथम इकाई में रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) के 2 श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंङ्ग व्याख्या । 10 अंक
2. द्वितीय इकाई में कुमारसम्भवम् (पंचमसर्ग) के 2 श्लोकों में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंङ्ग व्याख्या। 10 अंक

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13,14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) -कालिदास - डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
2. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) - गोपाल रघुनाथ - मोतीलाल
3. रघुवंशम् महाकाव्यम - संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित डा. जगन्नारायण पाण्डेय
4. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)
5. कालिदास ग्रंथावली
6. संस्कृत-कवि-दर्शन - पं भोलाशंकर व्यास।
7. कालिदास परिशीलन डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी,
8. भारत की संस्कृति व साधना - डॉ. रामजी उपाध्याय।
9. भारतीय संस्कृति-प. शिवदत्त ज्ञानी।
10. भारतीय संस्कृति- डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
11. भारतीय संस्कृति- डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
12. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
13. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) - डॉ रामनारायण झा

द्वितीय प्रश्न पत्र–नाटक, कथा–साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय 3 घण्टे पूर्णांक–100

नोटः– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है।जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें।प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है।**अंक–40**

पाठ्यक्रम–

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)
2. हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. अनुवाद
4. संज्ञा एवं सन्धि प्रकरणम् $2\times2=4, 3\times2=6 = 10$
5. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – अजन्त प्रकरण – $(2\frac{1}{2}\times4=10)=10$
   (राम, हरि, लता, नदी, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूप सिद्धि)

विशेष निर्देश

खण्ड – ब

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम् के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंङ्ग संस्कृत व्याख्या।
2. तृतीय इकाई में से प्रश्न संख्या 6 एवं 7 में पांच पांच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करना है। प्रश्न सं. 6 तथा 7 में से 1 प्रश्न करना है।
3. इकाई चतुर्थ में संज्ञा प्रकरण पारिभाषिक शब्द, संज्ञा सूत्र और प्रत्याहार विकल्प सहित चार अंको की एवं संधि प्रकरण में से 4 में से 2 शब्दों की सूत्र निर्देश पूर्वक रूप सिद्धि, 6 अंकों की पूछी जायेगी।
4. पंचम इकाई में अजन्त नामिक प्रकरण में 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की व्याख्या पूछी जायेगी।
5. द्वितीय इकाई से सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 12 का अंक विभाजन इस प्रकार से होगा।

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंङ्ग व्याख्या। **10**
2. द्वितीय इकाई में हितापदेश (मित्रलाभ) में से दो पद्यों में से एक पद्य की तथा दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंङ्ग हिन्दी व्याख्या। 5+5=**10**

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

<u>सहायक ग्रन्थ</u>

1. स्वप्नवासवदत्तम् - जयपाल विद्यालंकार
2. स्वप्नवासवदत्तम् - (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) - जगन्नारायण पाण्डेय
3. स्वप्नवासवदत्तम् - डॉ. विश्वनाथ शर्मा
4. हितोपदेश (मित्रलाभ) - हिन्दी अनुवाद - रामेश्वर भट्ट
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) - डॉ. सुभाष तनेजा वेदालंकार
6. रचनानुवाद कौमुदी - डॉ. कपिल देव द्विवेदी
7. नवनीत - संस्कृत शब्द - धातु रूपावली - राजाराम शास्त्री नाटेकर
8. वृहद् - अनुवाद चंद्रिका - चक्रधर शर्मा, नौटियाल
9. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें - उमाकांत मिश्र
10. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन - मूल लेखक - वी.एस. आप्टे
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी - डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
12. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
13. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या- पं0 भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
14. स्नातक संस्कृत व्याकरण- डॉ. नेमीचन्द शास्त्री
15. संस्कृत वाक्य विवेक - डॉ. हिन्द केसरी, अजमेरा बुक कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।

द्वितीय वर्ष संस्कृत–2016

प्रथम प्रश्न पत्र–नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

समय 3 घंटे पूर्णांक –100

नोटः– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है।जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा –

पाठ्यक्रम

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम चार अंक)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (शेष भाग)
3. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छंद)
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास
5. व्याकरण – कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

प्रथम इकाई अभिज्ञानशाकुन्तलम्–के किन्हीं दो श्लोंको में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या।

द्वितीय इकाई अभिज्ञानशाकुन्तलम्–से किन्हीं चार सूक्तियों में से दो की सप्रसंङ्ग व्याख्या करनी होगी।

तृतीय इकाई के अंतर्गत दो छन्द, विकल्प, सहित पूछे जायेंगे। छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देना अनिवार्य है। छन्दों के उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे।

पंचम इकाई से किन्हीं दो पदों की (विकल्प सहित) सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि पूछी जायेगी। शेष इकाई से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न

खण्ड 'स'

1. प्रथम इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम चार अंक) में से दो श्लोक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंङ्ग व्याख्या। 10 अंक

2. द्वितीय इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (शेष भाग) के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या। 10 अंक

3. प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' की प्रश्न संख्या 13, 14,15 में निर्माण के समय यथासंभव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है।

विस्तृत पाठ्यक्रम

इकाई 4

संस्कृत साहित्य का इतिहास वीर काव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटक- साहित्य, कथा-साहित्य, राजस्थान का संस्कृत साहित्य

इकाई 5

कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण- तव्य, तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, घञ्, ल्युट्, क्तवा, ल्यप्।

निम्नसूत्र-घातोः, कृत्याः, कर्तरिकृत्, तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः, तव्यत्तव्यानीयरः, अचोयत्, ईद्यति, पोरदुपधात्, एतिस्तुशास्वृदृजुषःक्यप्, ह्रस्वस्यपितिकृतितुक्, शासःदि्ङहलोः मृजेर्विभाषा, ऋहलोर्ण्यत्, चजोः कु घिण्यतोः, ण्वुलतृचौ, युवोरनाकौ, कत क्तवतु निष्ठा, निष्ठा, रदाभ्यां निष्ठातोनः पूर्वस्य, लृट, शतृ, शानचाव प्रथमासमानाधिकरणे, आने मुक्, तुमुनण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्, कालसमयवेलासु तुमुन्, नपुंसके भावे क्त, ल्युट् च, अलं खल्वोः

प्रतिषेधयोः प्राचां क्त्वा, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, समासेऽनञ्पूर्वेक्त्वा ल्यप्।

सहायक पुस्तकें -

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. निरूपण विद्यालङ्.कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् व्याख्या - डा. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी
4. कालिदास और उनकी काव्य कला - वागीश्वर विद्यालंकार
5. कालिदास - डॉ. रमा शंकर तिवारी
6. कालिदास - चन्द्रबली पाण्डे
7. कालिदास - वी. वी. मिराशी
8. छन्दः प्रकाश - पं. शिवदत्त मिश्र
9. छन्दः प्रवेशिका - (प्रभा हिन्दीटीकोपेता) नई दिल्ली।
10. छन्दोमञ्जरी - सं. डा. बाबूराम त्रिपाठी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला।
12. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा. बलदेव उपाध्याय।
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा. बाबूराम त्रिपाठी।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास - विश्वनाथ शर्मा।
15. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् खण्ड 1-5 सं. डॉ. गंगाधर भट्ट
16. राजस्थानरयाधुनिकाः संस्कृत कथालेखकाः - डॉ. पुष्कर दत्त शर्मा
17. राजस्थान के कवि - पं. पुरूषोत्तम शर्मा
18. जयपुर संस्कृत काव्य परम्परा - देवर्षि पं. कलानाथ शास्त्री
19. नवोन्मेषः - डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र –वैदिक साहित्य, गद्यसाहित्य अनुवाद एवं व्याकरण

समय: 3 घण्टे पूर्णक 100 अंक

नोट:– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

''पाठ्यक्रम''

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त)
2. वैदिक साहित्य (ईशावास्योपनिषद्)
3. गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. अनुवाद एवं कारक प्रकरण
5. व्याकरण

अंक विभाजन

1. वैदिक साहित्य **30 अंक**

अ) **ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त**

1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3.विष्णु (1.154)
4. इन्द्र (2.12) 5. विश्वेदेवा (8.58) 6. प्रजापति(10.121) 7. संज्ञान (10.191)

1. ऋग्वेद के दो मन्त्रों की सप्रसंङ्ग व्याख्या 10 अंक
2. ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार 10 अंक

ब) **ईशावास्योपनिषद्** 10 अंक

दो मन्त्रों की सप्रसंङ्ग व्याख्या

2. गद्य साहित्य

शुकनासोपदेश **20 अंक**

अ. दो गद्यांशों की हिन्दी में सप्रसंङ्ग व्याख्या 10 अंक

ब. शुकनासोपदेश के निर्धारित अंश से सामान्य प्रश्न 10 अंक

3. अनुवाद **10 अंक**

सम्स्त प्रकरण में से निर्धारित सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या । **6 अंक**

1. सह सुपा
2. अव्ययं विभक्तिसमीप समृद्धिव्यृ दयर्थाडभावात्ययया संपति शब्द प्रादुभवि–पश्चाद–यथाडनुपूर्व्य–यौगपद्य सादश्यसपंत्ति साकल्यान्त वचनेषु
3. नदीभिश्च 4. द्वितीया श्रितातीत पतितगतात्यस्त पाप्तापन्नै:
5. तृतीया तत्कृतार्थेन् गुणवचनेन 6. चतुर्थी तदथडिर्थ बलिहित सुखरक्षितै:
7. पंचमी भयेन 8. स्तोकान्ति कदूरार्थकृच्छाणिकतेन 9. षष्ठी 10. सप्तमी शौण्डै:
11. तत्पुरूष: समानाधिकरण: कर्मधरय: 12. संख्यापूर्वो द्विगु 13. द्विगुरेकवचनम्
14. स नपुंसकम् 15. विशेषणं विशेष्येण बहुलम् 16. उपमानानि सामान्य वचनै:
17. नञ् 18. अनेकमन्यपदार्थे 19. चाडर्थे द्वन्द्व: 20. पिता मात्रा

समस्त प्रकरण में से दो समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक रूपसिद्धी **4 अंक**
अपठित संस्कृत के दस वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद

4. व्याकरण **30 अंक**

अ) **लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)**

1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. चतुर् (तीनों लिंगो में)
4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. मघवन् 7. पञ्चन्
8. अष्टन् 9. युष्मद् 10. अस्मद् 11. उपानह् 12. विद्वस्

1. चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 5 अंक
2. सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक पाँच पदों की रूप सिद्धि 10 अंक

ब) **कारक प्रकरण में निम्नलिखित सूत्र पठनीय हैं**-

1. प्रातिपदिकार्थलिङ्.गपरिमाणवचन मात्रे प्रथमा
2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म
3. कर्मणि द्वितीया
4. अकथितं च
5. अधिशीङ्.स्थाऽऽसां कर्म
6. उपान्वध्याङ्.वसः
7. अभितः परितः समया-निकषा हा प्रतियोगेऽपि द्वितीया
8. अन्तरान्तरेण युक्ते
9. कालोध्वनोरत्यन्तसंयोगे
10. साधकतमं करणम्
11. कर्तृकरणयोस्तृतीया
12. अपवर्गे तृतीया
13. सहयुक्तेऽप्रधाने
14. येनाङ्.गविकारः
15. इत्थंभूतलक्षणे
16. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्
17. चतुर्थी सम्प्रदाने
18. रूच्यर्थानां प्रीयमाणः
19. धारेरूत्तमर्णः
20. क्रुध्द्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः
21. नमः स्वास्ति -स्वाहा- स्वाधाऽलंवषड्- योगाच्च चतुर्थी
22. ध्रुवमपायेऽपादानम्
23. अपादाने पञ्चमी
24. जुगुप्सा-विराम- प्रमादार्थानामुपसंख्यानम्
25. भीत्रार्थानां भयहेतुः
26. वारणार्थानामीप्सितः
27. आख्यातोपयोगे

28. भुवः प्रभवःश्च
29. पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्
30. दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च
31. षष्ठी शेषे
32 षष्ठी हेतुप्रयोगे
33. चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्रभद्रकुशलसुखार्थहितै
34. आधारोऽधिकरणम्
35 सप्तम्यधिकरणे च
36. यस्य च भावेन भावलक्षणम्
37. यतश्चनिर्धारणम्
38. पंचमी विभक्तेः
39. साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्यप्रतेः

क) तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 9 अंक

ख) वाक्यों में रेखाकिंत तीन पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन 6 अंक

सहायक पुस्तके –

1. वेदचयनम्- पं. विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स – एस के तेलतन व बी.बी. चौबे
3. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
4. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
5. वैदिक सूक्त मुक्तावली –डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
6. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
7. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
8. ईशावास्योपनिषद् – तारिणीश झा
9. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. सुभाष वेदालङ्कार एवं श्री शास्त्री
10. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. रामपाल शास्त्री (सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्या)
11. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
12. संस्कृत में अनुवाद कैसे करे – उमाकान्त मिश्र
13. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
14. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
15. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री
16. सिद्धान्त कौमुदी कारण प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
17 सिद्धान्त कौमुदी कारण प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी

तृतीय वर्ष संस्कृत –2016

प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय धर्म एवं दर्शन

समय 3 घण्टे पूर्णांक–100

नोट:– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।इस प्रश्नपत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है।जिसका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है–

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा –

विशेष : प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13,14,15 के निर्माण के समय, भारतीय दर्शन के सिद्धान्त, गीता और मनुस्मृति में प्रत्येक पर एक–एक प्रश्न का निर्माण करे।

पाठ्यक्रम–

1. तर्क संग्रह - अन्नम् भट्ट
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)
3. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)
5. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त

भारतीय दर्शन के निम्नलिखित बिन्दुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाऐंगे।

(अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ
(ब) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
(स) योग दर्शन का ईश्वरवाद
(द) अद्वैत वेदान्त का मायावाद
(य) न्याय वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप
(र) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद
(ल) पूर्वमीमांसा में धर्मस्वरूप
(व) चार्वाक की प्रमाण मीमांसा
(ह) बौद्ध दर्शन का शून्यवाद
(च) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद

प्रश्न संख्या 12 का अंक विभाजन निम्न प्रकार होगा–

(अ) तर्क संग्रह में से 2 में से 1 की सप्रसंङ्ग संस्कृत व्याख्या
(ब) तर्क संग्रह में से ही 2 में से 1 की सप्रसंङ्ग हिन्दी व्याख्या

द्वितीय प्रश्न पत्र–काव्य, गद्य, व्याकरण एवं निबन्ध

समय 3 घण्टे पूर्णांक–100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें।प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याकरण तिङन्त प्रकरणम् से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा –

पाठ्यक्रम

1. इकाई प्रथम – महाकाव्य – किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – गद्यकाव्य – विश्रुतचरितम्
3. इकाई तृतीय – नीतिकाव्य – नीतिशतकम्
4. इकाई चतुर्थ – व्याकरण – (तिङन्त एवं वाच्यपरिवर्तन)
5. इकाई पंचम – निबन्ध

निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम –किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग) से दो श्लोको में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या।
इकाई द्वितीय –विश्रुतचरितम् से दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या ।
इकाई तृतीय –नीतिशतकम् से दो श्लोकों में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या ।
इकाई चतुर्थ –10 वाक्यों में से पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन ।
इकाई पंचम –संस्कृत निबन्ध रचना (जिनके विषय निम्न प्रकार है)
कालिदास, बाण, भारवि, भारतीय संस्कृति संस्कृत भाषा का महत्व, परोपकार, सत्संगति, परिश्रम, विद्या का महत्व, स्त्री–शिक्षा ।

खण्ड 'स'

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। लघु सिद्वान्त कौमुदी–तिङन्त प्रकरण
(भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुञ्, तुद्, रूध्, तन्, डुकृञ् एवं चुर् धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ् और विधिलिङ् लकारों में रूप सिद्वि)
(अ) निर्धारित धातुओं के निर्धारित लकारों में से चार धातु रूपों की रूप सिद्वि–**अंक–10**(4 ×2.5)
(ब) पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रों में से चार सूत्रों की व्याख्या – **अंक–10**(4×2.5)
प्रश्न संख्या 13,14,15 किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), विश्रुतचरितम् एवं नीतिशतकम् में से प्रत्येक पर एक–एक प्रश्न का निर्माण करे।